बुधवार
02 जुलाई 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 148
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

-कांवड़ यात्रियों का ट्रक पलटा-

तीन की मौत, 18 घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह कांवड़ यात्रियों का ट्रक पलट जाने से जहां तीन कांवड़ यात्रियों की मौत हो गयी वहीं 18 यात्री गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाते हुए मृतकों व घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां पांच की हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हे ऋषिकेश एम्स रैफर कर दिया गया है।

सड़क हादसे का यह मामला टिहरी जनपद के नरेन्द्र नगर क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के अनुसार आज सुबह कांवड़ यात्रियों का एक ट्रक हर्षिल उत्तरकाशी में भंडारे के लिए जा रहा था। बताया जा रहा है कि जब यह ट्रक नरेन्द्रनगर क्षेत्रांर्तगत फकोट से आगे ताछला के पास पहुंचा तो ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। जिससे मौके पर चीख पुकार मच गयी। मौके पर पहुंचे राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस प्रशासन को दी। जिस पर घटना क सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र नगर संजय मिश्रा दल बल व एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव राहत कार्य शुरू किया।

इस दौरान एक चार साल का बच्चा भी ट्रक में आगे फंसा मिला जिसको पुलिस ने सकुशल बाहर निकाल दिया। राहत व बचाव कार्य के दौरान तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी थी जबकि 18 लोग घायल मिले। राहत व बचाव टीम ने मृतकों व घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां पांच की हालत गम्भीर देखते हुए उन्हे ऋषिकेश एम्स रैफर कर दिया गया है। कांवड़ यात्रा के इस दल में सभी लोग बुलंदशहर निवासी है। वहीं मृतकों के नाम विक्की पुत्र महेंद्र, सुनील सैनी पुत्र मिलचंद व संजय है।

हादसें में घायल हुए लोगों के नाम ईश्वर सैनी पुत्र फूल सिंह सैनी, अतर सिंह पुत्र यादराम, रवि पुत्र अतर सिंह, संदीप गिरी पुत्र मुकेश, झम्मन सिंह पुत्र बुद्धु, बनवारी पुत्र किशनलाल, मुकेश पुत्र मुरारी लाल मित्तल, प्रेम सिंग पुत्र सोहन, जुगनू पुत्र देवी सिंह, तुषार पुत्र सुनील प्रजापति, भजन लाल पुत्र बाबूलाल, लेखराज पुत्र गोपी सिंह, टिंकू पुत्र रुद्रप्रकाश, मूलचंद पुत्र लक्ष्मण, राहुल पुत्र किन्चित, नकुल पुत्र राहुल, बिशन पुत्र देशराज व विनीत बताये जा रहे है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बेरोजगारों को धोखा

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा कल बेरोजगारों के लिए एक रोजगार प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी गई। एक लाख करोड़ की इस योजना से साढ़े तीन करोड़ रोजगार पैदा होने का दावा किया गया है। मोटा-मोटी इस योजना को ऐसे समझा जा सकता है कि कोई नियोक्ता अगर किसी बेरोजगार को पहले नौकरी देता है तो सरकार उस कर्मचारी को एक महीने का वेतन जो अधिकतम 15 हजार होगा सरकार द्वारा नियोक्ता के खाते में कुछ किस्तों में डाला जाएगा जो कर्मचारी के तय वेतन से अलग होगा। लेकिन नियोक्ता को इसके लिए क्षमता (जरूरत) से अधिक कर्मचारी रखने पर ही इसका लाभ दिया जाएगा इसके अलावा भी अन्य कई शर्तें इसमें जोड़ी गई हैं। यह लाभ बेरोजगारों व नियोक्ताओं को अगस्त 2025 से 2027 के बीच दी जाने वाली नौकरियों पर ही मिल सकेगा। सरकार का दावा है कि नियोक्ताओं का इस अतिरिक्त श्रम से अपना कारोबार बढ़ाने का लाभ होगा वहीं बेरोजगारों जिनकी संख्या 3.30 करोड़ होगी, को रोजगार मिल सकेगा। इस योजना को जान समझ कर कोई भी व्यक्ति इस बात का अनुमान लगा सकता है कि यह सरकार द्वारा बेरोजगारी के मुद्दे की असफलता को छिपाने का एक प्रयास और बेरोजगारों को एक और खूबसूरत झांसा देने की कोशिश है जैसा कि पिछले एक दशक से सरकार करती आ रही है। बात चाहे केंद्रीय नेताओं के और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री द्वारा नौकरी पाने वालों को नियुक्ति पत्र बांटे जाने के हाईटेक राजनीतिक ड्रामे की हो जिसे हम बीते कई सालों से देखते आ रहे हैं। देश के युवाओं को 2014 से पहले भी सरकारी नौकरियां मिलती थी क्या आपने कभी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को समारोह का आयोजन कर उन्हें नियुक्ति पत्र बांटते देखा था? दर असल सत्ता पाने के लिए जो अनाप-शनाप ऐसे वायदे कर दिए जाते हैं जिन्हें कभी पूरा नहीं किया जाता उनके परिणाम दीर्घकाल में ठीक नहीं होते हैं। बेरोजगारी भी एक ऐसा ही मुद्दा है। हर साल 2 करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार से भले ही कोई यह सवाल न पूछे कि इस वायदे का क्या हुआ? लेकिन जिन युवा बेरोजगारों ने अच्छे दिन आने के वायदे पर भरोसा करके उन्हें एक नहीं दो-दो बार वोट दिया वह अब समझ चुके हैं कि उन्हें कैसे ध ोखा दिया गया है। जिन गरीबों को 15 लाख खाते में आने और काला धन वापस लाने के लालच में भाजपा को वोट दिया था उनका भरम भी अब टूट चुका है। सत्ता में बैठे लोग खुद ही कह चुके हैं कि वह तो चुनावी शगुफा था। युवाओं को जो बेरोजगार है उन्हें पकोड़ा तलने और बेचने को रोजगार बता कर उनका मखौल भी यह नेता उड़ाते रहे हैं। ऐसे में युवाओं की नाराजगी भी लाजमी है। इस सच को सत्ता में बैठे लोग भी जानते हैं कि साल में 2 करोड़ रोजगार देने का वादा करने के 10 साल में उन्होंने कितने लोगों को रोजगार दिया है। बढ़ती बेरोजगारी और पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं को कितनी पीड़ा दी है यह वही जानते हैं। सेना में होने वाली रेगुलर भर्ती की जगह लाई गई अग्निवीर योजना का भी फोड़ा फूट चुका है जिसमें अब सरकार कई संशोधन करने में जुटी है। सत्ता में बैठे नेता युवाओं का भरोसा खो चुके हैं यही कारण है कि अब सरकार प्राइवेट नौकरियां करने वालों को 10-15 हजार देकर उन्हें कह रही है कि हमें आपका भी ख्याल है। जबकि भरोसा यह भी नहीं है कि यह 10-15 हजार भी उन्हें मिलेगा या फिर इसका फायदा भी नियोक्ता उठा ले जाएंगे। ध न्य है सरकार के नीति नियंत्रक और उनकी सोच की जो युवा बेरोजगारों पर इतनी बड़ी मेहरबानी कर रहे हैं।

माता-पिता को घर से निकालने वाले पर चला डीएम के न्याय का हथोड़ा

संवाददाता

देहरादून। मां-बाप से सम्पत्ति की गिफ्ट डीड कराकर घर से निकालने वाले बेटे पर जिलाधिकारी सविन बसंल के न्याय का हथोडा चला और गिफ्ट डीड कैंसिल कर बुर्जुग दम्पत्ति को न्याय दिलाया।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल के राज में जिला प्रशासन सामाजिक कर्तव्य से विमुख लोगों को अपनी न्याय प्रणाली से रास्ता दिखा रहा है वहीं

गिफ्ट डीड कैंसिल कर बुर्जुग दम्पत्ति को दिलाया न्याय

असहाय जरूरतमंद लोंगों को त्वरित न्याय मिल रहा है। जिलाधिकारी सविन बसंल की कार्यप्रणाली सदैव असहाय, बुजुर्ग, महिला बच्चों, जनमानस के हित में रही है। असहाय जरूरतमंदो से जुड़े विषयों पर जिला प्रशासन द्वारा सक्रिय होकर त्वरित निर्णय लिए जा रहे हैं। यह जनमानस के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाता है। बुजुर्ग परमजीत सिंह ने अपनी 3080 वर्ग फुट सम्पति जो कि 2 बड़े हॉल है को गिफ्ट डीड में अपने पुत्र गुरूविंदर सिंह के नाम कर दिया था। गिफ्ट डीड की शर्तों के अनुसार पुत्र को अपने माता-पिता के भरणपोषण एवं माता-पिता के साथ रहने तथा पोते-पोती को दादा-दादी से दूर नही करना था। किन्तु सम्पति नाम होते ही पुत्र ने गिफ्ट डीड में की शर्तों का उल्लंघन कर माता-पिता से दूर रहने लगा तथा पोते-पोती को भी दादा-दादी से मिलने नही दिया गया। बुजुर्ग दम्पति के प्रकरण पर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में विधवत पर्याप्त सुनवाई की गई विपक्षी गुरूविंदर सिंह आदि को नोटिस जारी किया गया एवं विज्ञप्ति के माध्यम से भी सार्वजनिक सूचना प्रसारित की गई इसके बावजूद भी विपक्षी द्वारा न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत नही की गई और ना ही स्वयं उपस्थित हुए। जिस पर फैसला सुनाते हुए गिफ्ट रद्द करते हुए सम्पति को पुन: बुजुर्ग दम्पति के नाम कर दिया। बुजुर्ग माता-पिता से गिफ्ट डीड में बंगला बिजनेस अपने नाम कर अपना ही बेटा उनको घर से बाहर खदेड़ रहा था।

डीएम बंसल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए गिफ्ट डीड को एक झटके में ही

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कच्ची शराब बनाते तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब बनाने वाले तीन लोगों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 20 लीटर कच्ची शराब व भट्टी उपकरण बरामद किये गये है। पुलिस ने मौके पर ही 250 लीटर लाहन नष्ट कर दिया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ लोग कच्ची शराब का अवैध कारोबार कर रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर छापेमारी कर तीन लोगों को मौके पर ही दबोच लिया। जिनके पास से 20 लीटर कच्ची शराब, भट्टी उपकरण बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर मौजूद 250 लीटर लाहन नष्ट कर दिया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम बिजेन्द्र पुत्र कर्म सिंह, प्रमोद पुत्र करण पाल व सोनू पुत्र यशपाल निवासी ग्राम धारीवाला थाना पथरी जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

टिहरी विस्थापित विकास समिति ने किया पौधारोपण

संवाददाता

देहरादून। टिहरी नगर मूल विस्थापित विकास समिति ने सार्वजनिक पार्को, सडकों व सामुदायिक भवन में पौधारोपण किया।

आज यहां टिहरी नगर मूल विस्थापित विकास समिति देहरादून द्वारा दून विश्वविद्यालय रोड तथा यहां स्थित टिहरी नगर के सार्वजनिक पार्कों सड़कों तथा सामुदायिक भवन में तीन दिन का वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' चलाया गया। यहां गुड़हल, कटहल, लीची, आम तथा अमरूद आदि के छायादार फलदार पौधों का रोपण किया गया। यह अभियान एन एच आई डीसीएल के क्षेत्रीय अधि कारी के सहयोग से संपन्न हुआ। अभियान में दिनेश जोशी, अनिल पैन्यूली, मगनानंद नौटियाल, राकेश बड़वाल, सी पी विजलवान, आदि समिती के पदाधिकारी शामिल थे।

नीरज ने 2 घंटे 9 मिनट 20 सेकंड में 1008 सूर्यनमस्कार कर कीर्तिमान स्थापित किया

संवाददाता

देहरादून। दिव्य योग और मेडिकल फाउंडेशन से नीरज ने 2 घंटे 9 मिनट 20 सेकंड में 1008 सूर्यनमस्कार पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

आज यहां फरीदाबाद में आयोजित योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ भारत द्वारा आयोजित नेशनल योगाथन सूर्यनमस्कार- 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया , जिसमें देशभर के योग खिलाड़ियों ने भाग लेकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विशेष आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा 1008 सूर्यनमस्कार सेट का प्रदर्शन, जिसमें कई प्रतिभागियों ने पूरी निष्ठा और आत्मबल के साथ भाग लिया।

इस आयोजन में खिलाड़ियों ने न केवल अपनी मानसिक एकाग्रता और शारीरिक क्षमता का परिचय दिया, दिव्य योग और मेडिकल फाउंडेशन से नीरज भी इस आयोजन का हिस्सा रहे। उन्होंने

2 घंटे 9 मिनट 20 सेकंड में 1008 सूर्यनमस्कार पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। दूसरे नंबर पर उन्हीं के शिष्य एडविक ने 2 घंटे 30 मिनट में 1008 सूर्यनांसकार सेट पूरे किए।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को योग के प्रति प्रेरित करना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना तथा योग को एक प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में प्रोत्साहित करना रहा। आयोजन के दौरान विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए इस आयोजन को गौरवपूर्ण बनाया। योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ भारत के अधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी योग को जीवनशैली और खेल दोनों रूपों में आत्मसात कर सके। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

महीने में एक बार पेडिक्योर करवाना है जरूरी, ये हैं 5 फायदे

जिस तरह चेहरी खूबसूरती और ग्लो बरकरार रखने के लिए नियमित रूप से क्लीनिंग और फेशियल जरूरी है। ठीक उसी तरह पैरों को भी साफ रखने, उनकी नमी बरकरार रखने और नाखून के केयर के लिए पेडिक्योर जरूरी है। ऐसे में महीने में कम से कम 1 बार पेडिक्योर जरूर करवाना चाहिए। हम आपको बता रहे हैं पेडिक्योर के हैं कितने फायदे...

इंफेक्शन का रिस्क होता है कम

पेडिक्योर के दौरान पैरों के नाखून को काटकर, ट्रिम कर उनकी अच्छे से सफाई की जाती है जिससे पैरों में होने वाले किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचा जा सकता है। साथ ही पेडिक्योर करवाने से धूल और बैक्टीरिया भी साफ हो जाते हैं जिससे फंगस की ग्रोथ नहीं होती है और पैरों से बदबू भी नहीं आती।

डेड स्किन सेल्स होते हैं दूर

पेडिक्योर का एक अहम हिस्सा है एक्सफोलिएशन जिससे जरिए डेड स्किन सेल्स से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। इस प्रोसेस से आपकी स्किन स्मूथ और अट्रैक्टिव बनती है। एक्सफोलिएशन के जरिए सेल्स को एक जगह जमा होने और तकलीफदेह कॉर्न बनने से भी रोका जा सकता है।

फटी एड़ियों की समस्या होगी दूर

बहुत से लोगों को आपने देखा होगा कि वे चेहरे की तो खास केयर करती हैं लेकिन पैरों की ओर ध्यान नहीं देतीं जिससे उनके पैरों में खासकर एड़ियों में नमी की कमी हो जाती है जिससे उनमें दरारें पड़ने लगती है। नियमित रूप से पेडिक्योर करवाने से फटी एड़ियों की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

पेडिक्योर का एक अहम हिस्सा है फुट मसाज जो ब्लड सर्क्युलेशन को बेहतर बनाता है। साथ ही पैर और पिंडली (ष्ड्डद्य1द्धद्य)दोनों से टेंशन और स्ट्रेस को दूर करता है।

लाल रंग का होता है गहरा असर

लाल रंग का हमारे मूड, विचारों और काम पर गहरा असर होता है। जानिए कैसे- हमारे शरीर में लाल रक्त है। यह रंग हमारे पूरे शरीर को उर्जा देता है और लोगों को शायद सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला रंग भी लाल ही है। ये दफ्तर में आपके काम से लेकर निजी संबंधों तक को प्रभावित करता है।

महारानी के ताज के लाल रंग से लेकर एम्सटर्डम के रेड लाइट एरिया तक आज सुर्ख रंग के शेड्स को सत्ता, आक्रमण और सेक्स से जोड़कर देखा जाता है। 'रंगों के मनोविज्ञान' से पता चला है कि लाल रंग का हमारे मूड, विचारों और काम पर गहरा असर होता है। इससे आपकी फिजियोलॉजी और हार्मोन संतुलन पर और खेल के मैदान में प्रदर्शन भी प्रभावित हो सकता है।

बहुत से स्तनधारी प्राणी कुत्तों की तरह लाल और हरे रंग में फर्क नहीं कर पाते। जब हमारे पूर्वज जंगल के जीवन में ढल रहे थे तब उनकी आंखों के रेटिना में एक खास सेल विकसित हो रहा था। ये पत्तों के बीच से लाल चमकीले फलों को चुनने में मदद करता था। धीरे-धीरे गुस्से में नाक लाल होना ताकत की निशानी बन गया। मेंड्रिल बंदर इसका अच्छा उदाहरण हैं। जितना सेहतमंद बंदर, उतना गाढ़ा उसकी नाक का लाल रंग। २००४ में 'यूनिवर्सिटी ऑफ डरहम' के मनोवैज्ञानिकों रसेल हिल और रोबर्ट बार्टन ने शोध शुरू किया कि क्या मनुष्यों में ऐसा होता है। क्या मनुष्य भी 'गुस्से में लाल' हो जाते हैं।

हिल और बार्टन ने २००४ के ओलिंपिक खिलाड़ियों के पहनावों पर शोध किया। मुक्केबाजी और ताईचांडो में हुए इस शोध में पाया गया कि लाल रंग की पोशाक पहनने वाले खिलाड़ियों के जीतने की संभावना पांच फीसद अधिक थी। 'लाल रंग की पोशाक आपको जबरदस्त खिलाड़ी नहीं बनाती लेकिन जब आपका मुकाबला बराबरी के प्रतिद्वंदी से हो तो यह जीत और हार के संतुलन को जरूर प्रभावित करती है।' फुटबॉल के मैदान पर शोध से पता चला कि यदि गोलकीपर ने लाल रंग पहना हो तो पेनॉल्टी शूटआउट में गोल की संभावना कम हो जाती है।

यूनिर्वसिटी ऑफ रोचेस्टर' के एंड्रयू एलियट कहते हैं कि लाल रंग पहनने वाले अपने आपको ज्यादा प्रभावी समझते हैं जिससे दिल की धड़कन और टेस्टोस्टेरोन की मात्रा बढ़ जाती है। कुछ फैशन विशेषज्ञों के मुताबिक लाल टाई पहनने से दफ्तर में अपने प्रभाव और अधिकार का अहसास होता है। लाल रंग की पोशाक वाली महिला वेटरों को अधिक टिप मिलती है।

लाल रंग की वजह से होने वाली आक्रामकता के नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। प्रोफेसर एलियट कहते हैं, 'लाल पके हुए फल का रंग है, गुस्साए चेहरे का रंग है, सेक्स उत्तेजना का रंग है। इसलिए इसे हमेशा हमारे अस्तित्व से जोड़कर देखा जाता रहेगा।'

रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है 'पत्ता गोभी'

पत्ता गोभी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट अल्जाइमर जैसी समस्याओं से बचाते हैं। वजन घटाने के लिए गोभी को डाइट में शामिल करें। पत्ता गोभी का सेवन आपकी त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद होता है।पत्ता गोभी के स्वास्थ्य लाभ : फिट और स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि सब्जियों को आहार में शामिल किया जाए, सब्जियां शरीर में पोषक तत्वों की आपूर्ति करती हैं। ऐसे में पत्ता गोभी आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। पत्ता गोभी ज्यादातर सभी को पसंद होती है, इसका इस्तेमाल सिर्फ सब्जी के तौर पर ही नहीं बल्कि कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाने में भी किया जाता है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, इसलिए वजन घटाने के लिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो आपकी सेहत को कई फायदे देते हैं। पत्ता गोभी का सेवन न सिर्फ दिल की बीमारियों को दूर करने में मददगार होता है बल्कि यह आपकी त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

रिपोर्ट के अनुसार पत्ता गोभी में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है। यह आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगने देता और वजन घटाने में मदद करता है। डाइटर्स के लिए गोभी का सूप और सलाद एक बेहतरीन और पौष्टिक विकल्प माना जाता है।

पत्ता गोभी के सेवन से दिल की सेहत ठीक रहती है। उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाने के लिए, जिम्मेदार हैं। ऐसे में पत्ता गोभी पॉलीफेनोल्स से भरपूर होती है जो ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कम कर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करती है।

पत्ता गोभी में विटामिन-के भरपूर मात्रा में होता है जो दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होता है। एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में, यह पार्किंसंस रोग, मनोभ्रंश और अल्जाइमर और बीमारियों से बचाता है। इसके अलावा पत्ता गोभी नींद की समस्या को कम करने और अच्छी नींद लेने में मदद कर सकती है।

पत्ता गोभी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। यह त्वचा पर काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने में भी मदद करता है। पत्ता गोभी सिर्फ त्वचा को ही नहीं बल्कि बालों को स्वस्थ और मजबूत रखने में मददगार है। यह कमजोर बालों के झड़ने और दोमुंहे बालों जैसी समस्याओं को कम करने में भी कारगर है।

इन चीज़ों से बनाइये घर के लिये पर्दे

घर की सजावट में पर्दों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इनकी मौजूदगी से घर की दीवारों, दरवाजे-खिड़कियों और फर्नीचर सभी की शोभा बढ़ जाती है। इतना ही नहीं पर्दे कमरो के पार्टिशन और प्राइवेसी को बनाये रखने में भी मदद करते हैं। घर में पर्दे लगाना बहुत आसान है फिर चाहे तो आप किसी फर्निश्सिंग की दुकान से आप ले सकते हैं या फिर ऑनलाइन भी मँगा सकते हैं। लेकिन यह दोनों ही आपको बहुत महंगे पड़ेंगे। लेकिन अगर आप खुद पर्दे बना लेंगी तो यह सस्ता पड़ेगा।

आज हम आपको कुछ ऐसे ही कपड़ों के बारे में बताने जा रहें हैं। जिन से आप सस्ते और आसानी से घर बैठे पर्दे बना सकती हैं। इसके लिए आपको बहार से महंगा कपड़ा खरीदने की कोई जरुरत नहीं है। चलिए जानते हैं कुछ ऐसे ही कपड़ों के बारे में। साड़ी अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां हैं और आप उनका इस्तेमाल नहीं करती हैं तो आप इनका पर्दे बनाने में इस्तेमाल कर सकती हैं। सिल्क साड़ियों से बने पर्दे घर को बहुत ही आकर्षक लुक देगा। लेकिन सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दों के लिए सबसे अच्छी हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी। दुपट्टा सलवार कमीज के साथ मिलने वाले दुपट्टे अक्सर सलवार कमीज के खराब हो जाने के बाद भी अच्छे से रहते हैं। इन्हे आप घर में पर्दे बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि यह कई सारे रंगो और शेड्स में आते हैं।

स्टॉल्स स्टॉल्स ज्यादातर एक ही रंग के होते हैं जिन्हे हम गाउन और साड़ी के साथ पहनते हैं। इन्हे आप दूसरे पर्दों के साथ मिला कर पुराने पर्दों को और खूबसूरत बना सकती हैं। इसके लिए आपके पास बहुत सारे स्टॉल्स होने चाहिए। चादरे पुरानी चादरों से आप घर के लिए सबसे सस्ते पर्दे बना सकती हैं। आप दो से तीन चादरों को मिक्स करके नए पर्दे बना सकती हैं। कपड़े के अस्तर अगर आप अपने घर को कंट्री साइड सम्मेरी लुक देना चाहते हैं जिससे घर में धुप और रौशनी अच्छे से आये। तो आप अपनी ड्रेस के अस्तर का इस्तेमाल पर्दे बनाने में कर सकती हैं। मेज़पोश अगर आप सोच रही हैं कि क्रोशिया के पर्दे कैसे लगेंगे? तो ये काफी आर्टिस्टिक लुक देंगे आपके घर को।

अदरक का पानी पीने के फायदे

अदरक को अधिकतर मसाले के रूप में यूज किया जाता है। लेकिन अगर इसके पानी को रोज पिया जाए तो यह कई बीमारियों से भी बचाता है। इसमें मौजूद ऐंटी बैक्टीरियल, ऐंटी फंगल और एंटी इंफ्लेमेंट्री गुण शरीर को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

अदरक का पानी शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता है। इससे खाना जल्दी डाइजेस्ट करने में मदद मिलती है। आइए जानते हैं अदरक के पानी के फायदों के बारे में-

एसिड की मात्रा कंट्रोल करता है = खाना खाने के २० मिनट बाद एक कप अदरक का पानी पिएं। यह शरीर में एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है।

मेटाबॉलिज्म सुधारता है = अदरक का पानी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म सुधरता है। ऐसे में फैट तेजी से बर्न होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है

ब्लड सर्कुलेशन ठीक होगा = अदरक का पानी पीने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन ठीक हो जाता है जिससे दर्द दूर हो जाता है।

सिरदर्द दूर करे = अदरक का पानी पीने से ब्रेन सेल्स को आराम मिलता है। इससे सिरदर्द की समस्या दूर हो जाती है।

स्किन बनाए हेल्दी = रोज अदरक का पानी पीने से शरीर के टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं। इससे खून साफ हो जाता है और पिंपल्स, स्किन इंफेक्शन का खतरा कम हो जाता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए = अदरक का पानी पीने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है। इससे सर्दी-खांसी और वायरल इंफेक्शन का खतरा टल जाता है। ऐसे तैयार करें अदरक का पानी = अदरक के एक छोटे टुकड़े को रात में एक कप पानी में भिगो दें। सुबह छानकर इस पानी का प्रयोग कर सकते हैं।

जाति जनगणना का निर्णय मजबूरी या जरूरत

प्रो. नवल किशोर

पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात देश में भारत-पाक युद्ध की आशंका बन रही थी। इस तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संकट के समय में राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट कमिटी की बैठक से जातिगत जनगणना कराने की खबर ने देशवासियों को चौंका दिया था।

आश्चर्यचकित होने का पहला कारण था फैसले का समय और दूसरा इस मुद्दे पर भाजपा का यू-टर्न। गौरतलब है कि इस सवाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प-यात्रा के एक कार्यक्रम में कहा था कि उनके लिए देश में सिर्फ चार जातिया हैं- मजदूर, युवा, महिला और किसान।

इस आलोक में यह भी बताना जरूरी है कि उपरोक्त टिप्पणी का उद्देश्य बिहार में तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा कराई जा रही जाति सर्वे को सार्वजनिक तौर पर खारिज करना था। अब जबकि इस वर्ष बिहार विधानसभा चुनाव आसन्न है, भाजपा के इस निर्णय को यू-टर्न कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। जातिवार जनगणना के पक्षकारों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि देर आए, दुरु स्त आए, लेकिन निर्णय के टाइमलाइन पर संशय व्यक्त किया गया था जिसके प्रति-उत्तर में अब एनडीए सरकार ने अगामी प्रक्रिया के समय सारणी की भी घोषणा कर दिया। आखिर क्यों? बीते वर्षो में भाजपा ने सदन से सड़क तक इसका जमकर विरोध किया था। कहा जा सकता है कि क्या यह निर्णय मजबूरी में लिया गया या इसके जरूरत को स्वीकारा गया है। यह जानना बेहद दिलचस्प है।

उत्तर-मंडल काल में जातिगत जनगणना की मांग निस्संदेह ओबीसी राजनीति के केंद्र में निरंतर रही है। तत्कालीन प्रधानमंत्री एच. डी. देवगौड़ा के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा सरकार ने पहली दफा फैसला लिया था कि 2001 में जातिगत जनगणना होगी, परंतु वर्ष 1999 में सरकार बदली और फैसला भी बदल गया। एनडीए सरकार में तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने सदन को सूचित किया था कि सरकार जातीय जनगणना नहीं कराएगी। सर्वविदित है कि भारतीय समाज का सबसे बड़ा हिस्सा सामाजिक-शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग था जिसमे लगभग तीन हजार जातियां शामिल थी। इन्हें मुख्यधारा से जोड़ना और विकसित करना किसी भी सरकार के लिए संवैधानिक प्रतिबद्धता मानी गई है। इस उद्देश्य से संविधान का एक पूरा का पूरा भाग -16 (अनुच्छेद 330-342) राष्ट्र को समर्पित है।

इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए काका कालेलकर आयोग (प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग) एवं मंडल आयोग (दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग) का गठन हुआ किया गया था। इन रिपोर्ट में जाति जनगणना की जरूरत अंकित होने के बावजूद दशकों से यह मांग लंबित पड़ी थी। इसके पक्ष में सर्वसम्मति से पारित संसदीय प्रस्ताव के बाद यूपीए-ने सामाजिक-आर्थिक जातीय सर्वेक्षण 2011 कराई, लेकिन उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं कर पाई थी। भाजपा ने तो उक्त रिपोर्ट को सदा के लिए ठंडे बस्ते डाल दिया और राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना की मांग को भी संसदीय सवाल-जवाब में साफ मना कर दिया। भाजपा को बिहार में चुनावी जीत तो मिली है लेकिन लगभग तीन दशक बाद भी वह एक राजनीतिक शक्ति नहीं बन पाई है। विदित हो देश-स्तर पर भाजपा को आम चुनाव 2014 में बहुत बड़ा जनादेश मिलने के अगले ही साल बिहार विधानसभा चुनाव में उतनी ही बड़ी शिकस्त भी मिली थी। आगामी विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को शासन-विरोधी लहर झेलना पड़ेगा।

अकस्मात जाति जनगणना कराए जाने का यह संभावित कारण हो सकता है। बिहार में राजद ने जातीय जनगणना और आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी को पुरजोर तरीके से मुद्दा बना रखा है।

भाजपा लंबे समय से %सवर्ण पार्टी' की छवि से उबरने का प्रयास कर रही है। जाति जनगणना से वह ओबीसी और अन्य वंचित वगरे को यह संदेश देना चाहती है कि वह उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर है। इस एक निर्णय से विपक्ष की मांग का जवाब भी दिया जा रहा है। इसे स्वीकार करके भाजपा विपक्ष की राजनीतिक बढ़त को संतुलित करना चाहती है। साथ ही 2024 और आगे के चुनाव की रणनीति सुनिश्चित करना भी भाजपा नीत सरकार की मंशा है। इसके माध्यम से जातिगत आंकड़ों के आधार पर चुनावी रणनीति तैयार करना अधिक संभव होगा, जिससे मतदान पैटर्न को बेहतर समझा जा सकेगा।

बहरहाल यह एक बहुस्तरीय रणनीतिक कदम है, जिसमें राजनीतिक लाभ, सामाजिक संतुलन, नीतिगत दक्षता, प्रगतिशील विचार और लोकप्रिय समर्थन की संभावनाएं निहित हैं। बावजूद इसके कि जाति जनगणना का निर्णय विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के दवाब में लिया गया है, अगर इसका अनुपालन सही, सम्यक एवं समदर्शी ढंग से किया जाए, तो यह भारतीय लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधित्वशील, लोक कल्याणकारी एवं समावेशी बना सकता है। दूसरे शब्दों में यह जाति जनगणना सामाजिक न्याय के अनुपालन की दिशा में मंडल पार्ट-2 की भूमिका का सम्यक निर्वहन कर सकता है। समय की मांग है कि जाति जनगणना के माध्यम से सामाजिक न्याय को न सिर्फ जीवन-पद्धति का हिस्सा बनाया जाए अपितु मानवीयता एवं मानव अधिकार को भी उद्दात रूप प्रदान किया जाए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आंखों की सूजन को दूर करने में मदद कर सकते हैं ये मास्क

आंखों की सूजन एक आम समस्या है, जो नींद की कमी, तनाव और गलत खान-पान के कारण होती है। इससे आंखें थकी-थकी सी लगती हैं और चेहरा भी बेजान दिखता है। हालांकि, कुछ घरेलू आई मास्क का इस्तेमाल करके इस समस्या से राहत पाई जा सकती है। ये मास्क न केवल सूजन को कम करते हैं, बल्कि त्वचा को भी ताजगी प्रदान करते हैं। आइए आज हम आपको पांच मास्क बनाने के बारे में बताते हैं।

आलू का मास्क

आलू में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसे बनाने के लिए एक कच्चे आलू को पतले टुकड़ों में काट लें और फ्रिज में ठंडा होने दें, फिर ठंडे आलू के टुकड़ों को आंखों पर रखें और 15-20 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है।

खीरे का मास्क

खीरा भी ठंडक देने वाला फल है, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए खीरे के पतले टुकड़े काटकर फ्रिज में ठंडा करें, फिर ठंडे खीरे के टुकड़ों को आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

चाय की पत्तियों का मास्क

चाय की पत्तियों में मौजूद कैफीन आंखों की सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए इस्तेमाल किए हुए चाय की पत्तियों को फ्रिज में ठंडा करें, फिर ठंडी पत्तियों को आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

एलोवेरा जेल का मास्क

एलोवेरा जेल में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए एलोवेरा जेल को ठंडा करके आंखों पर लगाएं और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

बादाम का तेल और गुलाब जल का मास्क

बादाम का तेल और गुलाब जल मिलाकर एक मास्क बनाया जा सकता है, जो आंखों की सूजन को कम करने में सहायक होता है। इसके लिए बादाम के तेल में थोड़ा-सा गुलाब जल मिलाएं और इस मिश्रण को आंखों के चारों ओर लगाएं। 10-15 मिनट तक छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। इन घरेलू उपायों का नियमित उपयोग करके आप अपनी आंखों की सूजन को प्रभावी ढंग से कम कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -90

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

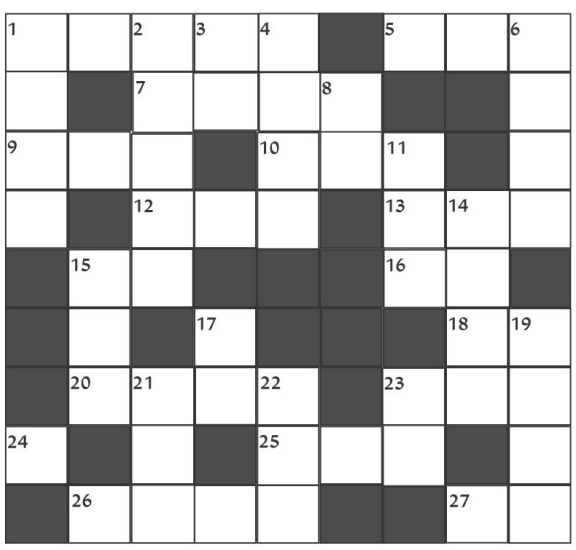

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

द राजा साब टीजर रिलीज- संजय दत्त का दिखा खौफ, हंसी संग मिलेगी डर की डोज

प्रभास स्टारर द राजा साब का टीजर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है। टीजर काफी शानदार है और प्रभास का लुक इसमें जबरदस्त और अलग है। यह एक हॉरर-रोमांटिक फिल्म है जिसमें डर के साथ रोमांस भी नजर आएगा। फिल्म को पहले 10 अप्रैल को रिलीज किया जाना था लेकिन फिर इसे पोस्टपोन कर दिया गया। जिसकी वजह डायरेक्टर ने बताई थी कि चीजें टाइम पर नहीं हो पाई खासकर प्री प्रोडक्शन का काम पूरा नहीं हो पाया था और इसीलिए इसकी डेट आगे बढ़ानी पड़ी।

प्रभास के फैंस काफी वक्त से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब फाइनली टीजर ने दर्शकों की उम्मीद फिर से बांध दी है। टीजर काफी अ'छा है और उम्मीद है मेकर्स जल्द ही इसका ट्रेलर भी रिलीज करेंगे। प्रभास के अलावा फिल्म में संजय दत्त भी अहम रोल में हैं। वहीं मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और ऋद्धि कुमार भी खास किरदारों में हैं। टीजर में एक भूतिया हवेली को दिखाया गया है, इसमें प्रभास दो अलग-अलग लुक में नजर आ रहे हैं - एक लुक में वह बेहद आकर्षक दिख रहे हैं, जिसमें उनकी एनर्जी कमाल की है। वहीं दूसरे लुक में वह गहरे और रहस्यमयी अंदाज में नजर आ रहे हैं। संजय दत्त एक ऐसा सरप्राइज है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उनकी मौजूदगी शानदार है और हमें और फिल्म देखने के लिए एक्साइटमेंट जगाती है।

मारुति दसारी द्वारा निर्देशित, यह फिल्म अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियां बटोर रही है क्योंकि यह प्रभास के 22 साल के करियर में हॉरर-कॉमेडी स्टाइल में पहला कदम है। प्रभास के फैंस के लिए एक अलग ट्रीट होगी क्योंकि अब तक प्रभास की छवि एक्शन स्टार की रही है और यह एक बड़ा बदलाव है। प्रभास के फैंस के उत्साह को देखते हुए, द राजा साहब की टीम ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर किया। इस टीजर पर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं क्योंकि उनके डार्लिंग यानि प्रभास हल्की फुल्की फिल्मों के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए लौट आए हैं।

आधिकारिक टीजर रिलीज एक लीक के बाद हुआ है, लीक हुए कंटेंट को फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मेकर्स ने सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर एक बयान पोस्ट किया जिसमें लिखा था, अगर द राजा साब से कोई भी लीक हुई सामग्री पाई जाती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी और हैंडल को तुरंत सस्पेंड कर दिया जाएगा। हमारी रिक्वेस्ट है कि आप इसमें हमारा सपोर्ट करें और जिम्मेदार बने।

द राजा साब को पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले टीजी विश्व प्रसाद ने बनाया है। सिनेमैटोग्राफी कार्तिक पलानी ने की है वहीं म्यूजिक थमन एस ने दिया है। फिल्म में संजय दत्त, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिधि कुमार भी लीड रोल में हैं। फैंस प्रभास को हॉरर-कॉमेडी में देखने के लिए उत्सुक हैं। राजा साहब 5 दिसंबर, 2025 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में पैन इंडिया रिलीज के लिए तैयार है।

गेडेला राजू का पहला लुक जारी

संगीत निर्देशक, अभिनेता और गायक रघु कुंचे दर्शकों के सामने एक शक्तिशाली सच्चाई लेकर आ रहे हैं - अगर आप इसे देखते हैं, तो यह एक सच्चाई है; अगर आप इसे नहीं देखते हैं, तो यह सौ संदेह है। रघु क्राइम थ्रिलर फिल्म गेडेला राजू में मुख्य भूमिका में हैं, जिसका टैगलाइन है काकीनाडा तालुका। जन्मदिन के मौके पर फिल्म की टीम ने फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। पोस्टर में रघु बेहद उग्र और गंभीर दिखाई दे रहे हैं। फिल्म को रघु कुंचे ने मोटूरी टॉकीज के बैनर तले प्रस्तुत किया है और चैतन्य मोटूरी ने इसका निर्देशन किया है। फिल्म में रवि आनंद चिन्निबिली, रामचंद्रम पुण्यमंथुला, श्रव्या, विकास और मौनिका सहित अन्य कलाकार हैं। सह-निर्माता रवि आनंद चिन्निबिली, तडाला वीरभद्र राव और गीथार्थ कुंचे हैं।

किलर से हीरोइन ज्योति पूर्वाज का रक्तिका लुक सामने आया

निर्देशक पूर्वाज, जो शुक्रा, माताराणी मौनामीदी और ए मास्टरपीस जैसी फिल्मों में अपनी अनूठी कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं, अब किलर नामक एक महत्वाकांक्षी विज्ञान-फाई एक्शन थ्रिलर का निर्देशन कर रहे हैं। प्रभावशाली रूप से, पूर्वाज न केवल निर्देशन कर रहे हैं, बल्कि फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं।

फिल्म में ज्योति पूर्वाज मुख्य भूमिका में हैं, जबकि विशाल राज, दशरथ, चंदू और गौतम अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। किलर का निर्माण थिंक सिनेमा द्वारा मर्ज एक्सआर और एयू एंड आई के सहयोग से किया जा रहा है। यह पूर्वाज, प्रजय कामथ और ए. पद्मनाभ रेड्डी के सहयोग से दूसरी परियोजना है।

आज, निर्माताओं ने ज्योति पूर्वाज के किरदार रक्तिका का अनावरण किया। वह एक आकर्षक पिशाच अवतार में चौंका देने वाली लग रही हैं, जो फिल्म के इर्द-गिर्द रहस्य को और बढ़ा रही है। किलर की पहले से जारी झलकियों को पहले ही जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल चुकी है।

पौराणिक कथाओं, विज्ञान कथाओं और सुपरहीरो तत्वों को मिलाकर, किलर एक मनोरंजक और दृश्यात्मक रूप से समृद्ध सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है। फिल्म वर्तमान में निर्माण के अंतिम चरण में है और जल्द ही रिलीज के लिए तैयार है।

मालविका मोहनन ने की प्रभास की तारीफ

अभिनेत्री मालविका मोहनन की अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साहब' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। निर्देशक मारुति की फिल्म में मालविका के साथ अभिनेता प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। मालविका ने प्रभास की तारीफ करते हुए बताया कि वह शानदार इंसान हैं।

मालविका मोहनन ने को-स्टार प्रभास के साथ पहली मुलाकात का अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्हें प्रभास के बातचीत करने का अंदाज पसंद है।

मालविका मोहनन से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फैन ने सवाल किया कि द राजा साहब' के सेट पर उनका सबसे पसंदीदा पल कौन सा था?

मालविका ने कहा, मेरे लिए द राजा साहब' के सेट पर सबसे खास पल था, जब मैं प्रभास सर से पहली बार मिली।

उन्होंने आगे बताया, उस वक्त मेरा शेड्यूल काफी व्यस्त था और मैं उस समय दूसरी फिल्म की शूटिंग भी कर रही थी, द राजा साहब के लिए जब मैं हैदराबाद पहुंची तो बहुत थकी हुई थी और नींद न लेने की वजह से काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा था। लेकिन, मैं जैसे ही सेट पर पहुंची तो प्रभास सर को देखते ही मेरी सारी थकान गायब हो गई। वह बहुत आकर्षक, गर्मजोशी से भरे शानदार इंसान हैं। वह बातचीत में भी कमाल हैं। मुझे उनका अंदाज पसंद है।

द राजा साहब' को भारत में अब तक बनाए गए सबसे बड़े हॉरर-फैंटेसी सेट पर शूट किया गया है, जिसके लिए एक रहस्यमयी और डरावनी हवेली बनाई गई है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में प्रभास दो अलग-अलग अंदाज में नजर आए। एक में वह एनर्जी से भरे और एक्शन में तो दूसरे में रहस्यमयी अंदाज में दिखे।

प्रभास और मालविका मोहनन के अलावा फिल्म में संजय दत्त, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

पीपल मीडिया फैक्ट्री ने फिल्म का निर्माण किया है और निर्देशन की जिम्मेदारी मारुति ने संभाली है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी कार्तिक पलानी ने की है। यह फिल्म 5 दिसंबर को तेलुगू, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

ग्रीन फ्लोरल ड्रेस में मोनालिसा ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन मोनालिसा पिछले दिनों दुबई वेकेशन का लुत्फ उठा रही थी और वहां से अपनी शानदार तस्वीरें शेयर कर रही थीं।

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत फोटो पोस्ट की है जिसमें वह ग्रीन फ्लोरल ड्रेस में नजर आ रही हैं। यह तस्वीर दुबई के एक लग्ज़री मॉल की है जहां मोनालिसा बेहद रिफ्रेश और रिलैक्स्ड मूड में दिखाई दे रही हैं। फोटो में मोनालिसा ने डीप नेकलाइन वाली स्लीवलेस ग्रीन ड्रेस पहनी है, जिस पर येलो और ग्रीन फ्लोरल प्रिंट है। खुले बाल, न्यूड मेकअप, लाइट पिंक लिपस्टिक और स्टेटमेंट जूलरी उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। उन्होंने अपने हाथ पर ब्रैसलेट और उंगलियों में स्टाइलिश रिंग्स पहन रखी हैं। उनकी मुस्कुराहट और कैमरे की तरफ आत्मविश्वास से दिया गया पोज़ फैंस का दिल जीत रहा है।

फैंस कमेंट सेक्शन में दिल और फायर इमोजी के साथ उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। किसी ने उन्हें सुंदर दिवा कहा, तो किसी ने लिखा हमेशा की तरह शानदार। इस पोस्ट को अब तक 12 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं।

मोनालिसा हमेशा से ही अपने फैशन और स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर चर्चा में रहती हैं। चाहे वे ट्रेडिशनल आउटफिट्स हों या वेस्टर्न, हर लुक में वह अपना यूनिक चार्म लेकर आती हैं। दुबई वेकेशन की यह तस्वीरें एक बार फिर यह साबित करती हैं कि मोनालिसा न सिर्फ एक बेहतरीन अदाकारा हैं, बल्कि एक ट्रेंडसेटर फैशन आइकन भी हैं।

भारतीय कामगारों का सशक्तिकरण : रोजगार में बढ़ोतरी और श्रमिक कल्याण के डिजिटल उपाय

वी. अनंत नागेश्वरन

आधुनिक डिजिटल युग में, चैटबॉट, पोर्टल, ऑनलाइन शिकायत निवारण व्यवस्था और प्रबंधन सूचना प्रणालियों द्वारा संचालित ई-गवर्नेंस पोर्टल ने सरकार को लोगों के बेहद करीब ला दिया है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार रोजगार वृद्धि और कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने को फिर से परिभाषित और पुनर्संयोजित कर रही है। अब प्रक्रियाएं अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन रही हैं। योजना से संबंधित पोर्टल अब ऑल-इन-वन (एकल सुविधा) प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो धोखाधड़ी, मैन्युअल प्रक्रियाओं और प्रशासनिक बोझ कम करते हुए कार्यक्रमों के बारे में निर्बाध ज्ञान प्रवाह और लाभ मापन की सुविधा प्रदान करते हैं। योजनाओं को आधार कार्ड से जोड़े जाने और विभिन्न योजनाओं के साथ इसके अंतर्संबंध से किसी को दो बार लाभ लेने से रोकने के साथ ही यह सुनिश्चित होता है कि लाभ समय पर लक्षित लोगों तक ही पहुंचें। आपस में जुड़े पोर्टल कामगारों को लाभकारी योजनाओं तक पहुंचने और आवेदन की स्थिति जानने, रोज़गार के अवसरों का पता लगाने और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। जबकि ये नियोक्ताओं को राष्ट्रीय प्रतिभा पूल के उपयोग में सहायता प्रदान करते हैं, जिससे कौशल और अनुभव के आधार पर कामगारों की भर्ती संभव हो पाती है। इसके अतिरिक्त, ये पोर्टल असंगठित श्रमिकों, नौकरी के इच्छुक कामगारों, नियोक्ताओं और रोज़गार के अवसरों का व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने में योगदान देते हैं, जिससे नीति निर्माताओं को सूचित, डेटा-समर्थित निर्णय लेने की सहूलियत मिलती है। किसी बड़े संकट के समय, महामारी इत्यादि के दौरान, ये डेटाबेस बेहद उपयोगी सिद्ध होंगे, जिससे ज़रूरतमंदों की शीघ्रता से पहचान और समय पर सहायता सुनिश्चित हो सकेगी। यह डिजिटल शासन में परिवर्तन को सुव्यवस्थित कर रहा है, नागरिकों को सशक्त बना रहा है और कल्याणकारी प्रयासों की व्यापकता और प्रभावशीलता बढ़ा रहा है। इन पहल के कुछ उदाहरणों की यहां चर्चा की गई है।

राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल इस परिवर्तनकारी पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 2015 में आरंभ किए गए इस पोर्टल ने रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों को संबंधित सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 5 करोड़ 50 लाख से अधिक कामगारों के पंजीकरण के साथ, यह एक वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म के रूप में काम कर रहा है जो नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्तियों को देश भर में रोज़गार के अवसरों से जोड़ता है। इस पर उन्हें करियर काउंसलिंग, जॉब मैचिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता), कौशल विकास पाठ्यक्रम आदि की जानकारी प्रदान की जाती है। किसी राज्य विश्वविद्यालय से तुरंत स्नातक होने वाला छात्र पहले मोबाइल फ़ोन के ज़रिए देश भर में नौकरी के अवसरों को जानने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। पर आज, एनसीएस की मदद से कोई भी व्यक्ति आसानी से स्थान के हिसाब से पीएम गतिशक्ति के साथ एकीकरण के ज़रिए, देश भर में नौकरियों की खोज कर सकता है, करियर और नौकरी संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है और यहां तक कि स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल के ज़रिए आवश्यक कौशल भी हासिल कर सकता है। यह सब उसे फ़ोन पर या स्थानीय रोजगार मेलों में शामिल होकर मिल सकता है।

एनसीएस परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 57 हजार रोज़गार मेले आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच), उद्यम, ई-श्रम, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), पीएम गतिशक्ति, डिजीलॉकर और अन्य के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे हितधारकों की उन तक पहुंच और दक्षता में वृद्धि हुई है। यह पोर्टल लगभग 30 राज्यों और निजी रोजगार पोर्टलों से भी जुड़ा हुआ है, जिससे कामगारों को नौकरी के अवसरों तक व्यापक पहुंच हो रही है। इसी तरह, श्रम सुविधा और समाधान पोर्टल, उद्योग और व्यापार के लिए अनुपालन और व्यापार सुगमता को बढ़ाते हैं तथा विवादों का तेजी से समाधान और दावे तथा श्रमिकों की शिकायतों का निपटान सुनिश्चित करते हैं। ईएसआईसी धनवंतरी मॉड्यूल अस्पतालों और औषधालयों को मरीजों का रिकॉर्ड (परीक्षण इत्यादि) पिछले मामले के इतिहास आदि की बेहतर उपलब्धता प्रदान करने में सक्षम बनाता है, जिससे रोगी की बेहतर देखभाल सुनिश्चित होती है। ये पहल सरकार के संकल्प के स्पष्ट प्रमाण हैं कि प्रौद्योगिकी के लाभ से विभिन्न पहल द्वारा सभी के लिए अधिक सुलभ, कुशल और पारदर्शी सेवा मुहैया कराने के कल्याणकारी उपायों में कोई भी पीछे न छूटे।

रोजगार का दूसरा पहलू सामाजिक सुरक्षा है। भारत में एक बड़ा अनौपचारिक, असंगठित क्षेत्र है जो रोजगार प्रदान करता है। ऐसे रोजगार में नियोक्ता द्वारा कोई लिखित अनुबंध और सामाजिक सुरक्षा नहीं होती। इन कामगारों के लिए, बीमारी, चोट, दुर्घटना, नौकरी छूटना या अन्य आपात स्थिति जैसी कोई भी घटना तुरंत विपत्ति में बदल सकती है। अब सरकार के सामाजिक सुरक्षा के उपाय अस्थायी संकट को आजीवन कठिनाई में बदलने से रोकते हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों से इसमें महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और सबको सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। हाल तक लाखों असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभों तक जागरूकता और पहुंच सीमित थी। पर ई-श्रम पोर्टल ने इस चुनौती का समाधान किया है। असंगठित श्रमिकों को अब सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एक विशिष्ट पहचान मिला है। वर्ष 2021 में आरंभ किए गए इस पोर्टल पर 30 करोड़ 70 लाख से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। यह पोर्टल लगभग 13 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत कर श्रमिकों के लिए एकल समाधान के रूप में कार्य करता है, जिससे लाभों को लक्षित रुप से पहुंचाना, उन तक बेहतर पहुंच और योजना संतृप्ति (योजना लाभ) संभव हो पाता है। केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग श्रमिकों (अल्पकालिक, अनुबंध-आधारित नौकरी करने वाले) का ई-श्रम से पंजीकरण कर विशिष्ट पहचान पत्र प्रदान किया गया है और उन्हें पीएम जन आरोग्य योजना के दायरे में लाकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ श्रमिकों का विवरण साझा करके, पोर्टल राज्य स्तर पर श्रमिक कल्याण कार्यक्रमों की बेहतर योजना और कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है। इसके अलावा, पोर्टल को राष्ट्रीय करियर सेवा, स्किल इंडिया डिजिटल हब, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम), सरकारी योजनाएं खोजने के लिए वन स्टॉप समाधान प्रदान करने वाला राष्ट्रीय प्लैटफ़ॉर्म माईस्कीम, दिशा योजना आदि के साथ एकीकृत किया गया है। यह श्रमिकों को ई-श्रम पर एक बार पंजीकरण कराने से ही केंद्र और राज्य सरकारों के कई योजना पोर्टलों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है। इससे योजना की पात्रता, योजना के लाभों, नौकरी के अवसरों का पता लगाने, कौशल प्रशिक्षण, पेंशन और बीमा जैसे लाभ की जानकारी एक ही स्थान पर मिलती है। इसकी पहुंच और भी व्यापक बनाने के लिए हाल ही में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की भाषिणी परियोजना की 22 भाषाओं वाली एक बहुभाषी सुविधा को ई-श्रम में जोड़ा गया है। परिचालन को सरल बनाने के लिए राज्य माइक्रोसाइट और मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए हैं।

इन प्रयासों से उल्लेखनीय सफलता और घरेलू स्तर पर सराहना के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी मान्यता मिली है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के नवीनतम डेटाबेस अद्यतन के अनुसार, भारत का सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 दशमलव 3 प्रतिशत हो गया है। आईएलओ की विश्व सामाजिक सुरक्षा 2026 की रिपोर्ट के अनुसार लाभार्थियों के मामले में भारत 94 करोड़ 13 लाख के साथ दूसरे स्थान पर है। यह बढोतरी देश में सामाजिक सुरक्षा दायरे की गणना में 32 केंद्रीय योजनाओं के साथ राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को शामिल करने के सरकार के प्रयासों का परिणाम है। विश्व सामाजिक सुरक्षा 2026 के लिए डेटा पूलिंग की चल रही कवायद के तहत सामाजिक सुरक्षा दायरे में इस विकास को शामिल करने वाला भारत पहला देश बन गया है।

इसी क्रम में, 34 करोड़ 60 लाख से अधिक सदस्यों वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने ईपीएफओ के द्वितीय चरण में बदलाव के लिए कई डिजिटल सुधार लागू किए हैं। इनसे सदस्यों की पहुंच बढ़ी है और नियोक्ताओं का काम आसान हो गया है। यूनिवर्सल अकाउंट नंबर शुरू करने, एकीकृत केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने, ई-पासबुक, उमंग ऐप, योगदानकर्ताओं के अंशदान का ई-संग्रह और डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के प्रावधान सहित प्रमुख पहल से सदस्यों की सुविधा बढ़ी है। ईपीएफओ के तहत केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली आरंभ होने से देश में कहीं से भी पेंशन प्राप्त करने से 77 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, ऑटो-क्लेम सेटलमेंट सीमा बढ़ाकर एक लाख रुपए करने से लगभग 7 करोड़ 50 लाख सदस्यों को सुगमता होगी और दावों का निपटान तेजी से हो सकेगा। ईपीएफओ ने फंड ट्रांसफर प्रक्रिया को भी सरल बनाया है, जिससे एक करोड़ 25 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ हुआ है और लगभग 90 हजार करोड़ रुपए का वार्षिक अंतरण सुगम हुआ है। इन सुधारों और ईपीएफओ के आधुनिकीकरण तथा डिजिटलीकरण दक्षता बढ़ाने और मैनुअल प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम करने से सदस्यों और नियोक्ताओं दोनों के लिए प्रणाली संचालन आसान हो जाएगा।

सरकारी के नीतिगत हस्तक्षेपों को उद्योग की सक्रिय भागीदारी का समर्थन आवश्यक है। उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका का एक प्रमुख उदाहरण ई-श्रम पहल है, जहां गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों (संस्थागत श्रमिकों) के लिए सामाजिक सुरक्षा का सफल कार्यान्वयन काफी हद तक प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स की भागीदारी पर निर्भर करता है। नियोक्ताओं को यह समझना जरूरी है कि एक सुरक्षित, संरक्षित और संतोषजनक कार्यस्थल बनाना, साथ ही श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए नितांत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हुए, वंचित और कमजोर समूहों को लक्षित और निरंतर समर्थन प्रदान करना भी महत्वपूर्ण है। यह समर्थन आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देगा और कार्यबल तथा अर्थव्यवस्था में भागीदारी की बाधाओं को दूर करने में मदद करेगा।

लेखक भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं

सू- दोकू क्र.90

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.89 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

सन ऑफ सरदार 2 का एक और दमदार पोस्टर रिलीज

रेड 2 की सफलता के बाद अब अजय देवगन फिल्म सन ऑफ सरदार के सीक्वल के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब इससे पहले सन ऑफ सरदार 2 से अजय की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। अजय बड़े पर्दे पर एक बार फिर जस्सी रंधावा के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। सन ऑफ सरदार 2 में अजय की जोड़ी पहली बार मृणाल ठाकुर के साथ बनी है। विजय कुमार अरोड़ा ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल, रवि किशन, चंकी पांडे और नीरू बाजवा जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अजय इस फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर कर रहे हैं। बता दें कि सन ऑफ सरदार 2 साल 2012 में आई फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्वल है।

वेतन विसंगति को लेकर मोर्चा ने सचिव सहकारिता से की मुलाकात

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने सचिव सहकारिता वीवीआरसी पुरूषोत्तम से मुलाकात कर भंडारागार निगम कार्मिकों की वेतन विसंगति पर चर्चा की।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं राज्य भंडारागार निगम कर्मचारी संगठन के संरक्षक रघुनाथ सिंह नेगी ने सचिव, सहकारिता वीवीआरसी पुरुषोत्तम से मुलाकात कर भंडारागार निगम कार्मिकों की वेतन विसंगति दूर करने एवं विभागीय ढांचे में पद बढ़ाये जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा। पुरुषोत्तम ने कार्रवाई के निर्देश दिए। नेगी ने कहा कि निगम के स्वीकृत स्टाफ ढांचे में पदनाम, वेतनमान व ग्रेड वेतन (लेवल) में हुई विसंगतियां को दूर करने तथा अस्वीकृत पदों को स्वीकृत करते हुए कुल 162 पदों का स्टाफ ढांचा स्वीकृत किए जाने का आग्रह किया। अब तक मात्र 121 कार्मिकों का ही विभागीय ढांचा स्वीकृत है। उक्त विसंगतियों के चलते कार्मिकों को आर्थिक नुकसान एवं पदोन्नति के लाभ से भी वंचित होना पड़ रहा है।

कबाड की दुकान में लगी आग

संवाददाता

देहरादून। कबाड की दुकान में आग लगने से वहां अफरा तफरी मच गयी। फायर बिग्रेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

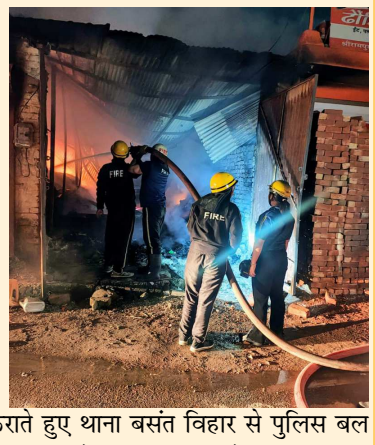

प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात्रि को थाना बसंत विहार तथा फायर स्टेशन देहरादून को कावली रोड, बल्लीवाला फ्लाई ओवर से पहले श्रीरामपुर गोविंदगढ़ में स्थित एक कबाड़ की दुकान में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। उक्त सूचना से उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए थाना बसंत विहार से पुलिस बल तथा फायर स्टेशन देहरादून से दमकल के वाहन मौके पर पहुंचे। मौके पर दमकल के 04 वाहनों द्वारा कबाड़ की दुकान पर लगी आग पर काबू पाया गया। उक्त दुकान को कबाड़ी का काम करने वाले नौशाद पुत्र बशीर, निवासी सहारनपुर द्वारा किराए पर लिया गया था। आग के कारण दुकान के अंदर रखा सामान जल गया है। प्रथमदृष्टया शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगना प्रतीत हो रहा है, घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही हैं।

माता-पिता को घर से निकालने वाले पर...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

खारिज करते हुए पूर्ण 3080 वर्ग फीट सम्पति पुनः बुजुर्ग दम्पति के नाम कर दिया है। गिफ्ट डीड शर्तों का उल्लंघन, नाफरमानी पर डीएम ने न्याय का हथोड़ा चलाते हुए गिफ्ट डीड को कैंसिल कर दिया है। बुजुर्ग दम्पति ने तहसील, थाना अवर न्यायालय से थक-हारकर डीएम न्यायालय में कराया वाद पंजीकृत, पहली ही सुनवाई में बुजुर्ग को इंसाफ मिल गया है। भरणपोषण अधिनियम की विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए डीएम ने बुजुर्ग दम्पति को इंसाफ दिलाया है। आदेश फरमान से डीएम न्यायालय में ही दम्पति के आंसु छलक पड़े। विधिवत् स्पष्टीकरण; पर्याप्त अवसर उपरान्त, आदेशों की नाफरमानी, माता-पिता का तिरस्कार बेटे को भारी पड़ गया। डीएम के इस फैसले से बुजुर्ग सरदार परमजीत सिंह व उनकी पत्नी अमरजीत कौर को न्याय मिल गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया नामांकन स्थलों का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने नामांकन के पहले दिन आज जिला पंचायत कार्यालय नामांकन स्थल व विकास खण्ड कार्यालय रूद्रपुर नामांकन स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होने आरओ, एआरओ से नामांकन व्यवस्थाओं व प्रक्रियाओं की जानकारी लेते हुए नामांकन प्रक्रिया को निष्पक्ष व शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने के निर्देश दिये। उन्होने नामांकन स्थलों में नामांकन हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि नामांकन प्रक्रिया अति महत्वपूर्ण है। सभी प्रत्याशी आसानी से अपना नामांकन कर सकें व निर्वाचन में प्रतिभाग कर सके। इसलिए नामांकन में सावधानी बरती जाये व प्रत्याशी द्वारा नामांकन फार्म के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज, शपथ पत्र आदि संलग्न है यह भी सुनिश्चित कर लिया जाये। उन्होने कहा 5 जुलाई तक नामांकन प्रक्रिया चलेगी सभी आरओ, एआरओ निर्भीक होकर नामांकन कार्य सुनिश्चित करें। यदि किसी प्रकार की परेशानी, समस्यां आती है तो तुरन्त सम्बन्धित उप जिलाधिकारी, निर्वाचन कन्ट्रोल रूम को अवगत करायें, समस्या का तुरन्त समाधान किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के सभी मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान की अपील की। निरीक्षण के दौरान आरओ जिला पंचायत एपी बाजपेयी, आरओ विकास खण्ड रूद्रपुर डॉ. महेश कुमार जोशी, तहसीलदार दिनेश कुटौला व एआरओ मौजूद थे।

राज्य सरकार का कांवड़ यात्रा के लिए जारी फरमान सुप्रीम कोर्ट की अवमाननाः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि राज्य सरकार का कांवड यात्रा के लिए जारी फरमान सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है।

आज यहां कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ यात्रा रूट के दुकानदारों को नाम पटिक्का लाइसेंस और पहचान पत्र की अब अनिवार्यता संबंधी आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह आदेश देश के सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना है क्योंकि पिछले वर्ष उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा इसी प्रकार के आदेश पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उत्तरप्रदेश सरकार को फटकार लगाई गई थी और उस आदेश पर रोक लगाई गई थी। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में धस्माना ने कहा कि देश में व भाजपा शाशित प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी जन सरोकारों पर कोई कार्य नहीं कर पा रही बेरोजगारी से लेकर महंगाई और ध्वस्त पड़ी कानून व्यवस्था से लोगों का ध्यान हटाने के लिए समय समय पर भाजपा सरकारों यही हथकंडा अपनाती हैं किन्तु देश की जनता इनके इस धार्मिक ध्रुवीकरण के इस हथकंडे को समझ चुकी है और जिस तरह इस बार होली और ईदुलफितर एक साथ पढ़ने पर पूरे देश में धार्मिक उन्माद भड़काने की कोशिश सत्ताधारी दल ने की और जिस तरह से पूरे देश की हिन्दू मुस्लिम जनता ने प्रेम पूर्वक आपस में समझदारी दिखाते हुए प्रेमपूर्वक होली और ईदुलफितर मना कर भाजपा के अरमानों पर पानी फेरा उसी प्रकार इस बार भी कांवड़ यात्रा में पारंपरिक तरीके से कांवड़ यात्रा निर्विघ्न पूर्ण होगी। ध स्माना ने कहा कि पूरे कांवड़ यात्रा रूट पर मुस्लिम इलाकों में कांवड़ यात्रा का हर साल की तरह स्वागत सत्कार होगा। धस्माना ने कांवड़ यात्रा रूट की जनता से भाजपा के मंसूबों पर पानी फेरने का आह्वान किया।

भागवत आचार्यो की स्पष्ट जांच होः ब्राह्मण महासभा

संवाददाता

देहरादून। ब्राहमण महासभा ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित कर भागवत आचार्यो की कथा ही अनुमति से पूर्व स्पष्ट जांच कराने की मांग की।

आज यहां अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि जो भी भगवत आचार्य को कथाओं में कथा करने के लिए भक्तों द्वारा बुलाया जाता है और अपनी जाति को छुपा कर कथा कर रहे हैं। उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह ब्राह्मणों का अधिकार है कि ब्राह्मण अपने कर्म को जनमानस तक पहुंचाने का काम करे लेकिन संदेह आत्मक लोगों ने भागवत आचार्य का चोला पहनकर भक्तों और जनमानस को गुमराह कर रहे हैं और वही लोग जन मानस और भक्तों के साथ अश्लील हरकतें भी करते पाए जाते है। जिस प्रकार से इटावा में एक भागवताचार्य ने अपनी जाति छुपा कर कथा करते समय घटना घटित हुई और ब्राह्मणों के नाम पर यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है किसी भी राज्य में भागवत आचार्य कथाओं को कर रहे हैं उनको कथा करने से पूर्व स्पष्ट जांच कर अनुमति प्रदान करने की और संपूर्ण देश में भागवत आचार्य द्वारा कथा कर आम जन मानस में धार्मिक आस्था को बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड आपसे अनुरोध है करती है कि जो अपनी जाति छिपकर कथाओं को कर रहे हैं और भक्त जनों के साथ अश्लील हरकतें करते हैं ताकि सही व वास्तविक भागवत आचार्य के हितों की रक्षा हो और संदेहात्मक पर सख्त कार्रवाई की जाए और संदेहात्मक भागवत आचार्य के खिलाफ एक मुहिम चलाई जाएं और उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाए। उनकी पूर्ण जांच कर कथाओं में कथा करने की अनुमति प्रदान की जाए। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से पंडित मनमोहन शर्मा, सीताराम नौटियाल, नारायण दत्त बहुगुणा, ललित शर्मा, अमित डंगवाल, राहुल शर्मा, प्रभात डंडरियाल, रोहन, गगन कुमार आदि शामिल थे।

प्रत्येक कर्मचारी का सर्विस बुक डाटा किया जाए अपडेटः बर्द्धन

संवाददाता

देहादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने निर्देश दिए कि यूकेपीएफएमएस के माध्यम से सभी कर्मियों की सर्विस बुक डाटा को अपडेट किया जाए।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में सचिव समिति की बैठक आयोजित हुयी। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राज्य एवं जनहित से जुड़ी योजनाओं सहित राज्य सरकार के कर्मियों की समस्याओं एवं मुद्दों पर चर्चा करते हुए विभिन्न दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी सचिवों को अपने विभागों के अन्तर्गत किए जाने वाले कार्यों के लिए ई-डीपीआर मॉड्यूल को लागू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-डीपीआर के माध्यम से डीपीआर तैयार किए जाने से लेकर सरकार तक पहुंचने तक की गतिविधि ई-डीपीआर के माध्यम से की जाए। उन्होंने कहा कि ई-डीपीआर का क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग को शत-प्रतिशत रूप से ऑनलाईन किया जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि यूकेपीएफएमएस के माध्यम से सभी कर्मियों की सर्विस बुक डाटा को अपडेट किया जाए। उन्होंने कहा कि आईएफएमएस डेटा का डिजिटाईजेशन शीघ्र किया जाए। इसके लिए आईएफएमएस मैकेनिज्म को मजबूत किए जाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों एवं वाहन चालकों के जीपीएफ सम्बन्धी डेटा को भी लगातार अपडेट किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सभी सचिवगणों को अपने-अपने विभागों के अंतर्गत 100 प्रतिशत ई-ऑफिस शीघ्र लागू किए जाने के निर्देश दोहराए। उन्होंने जनपद स्तरीय कार्यालयों को भी शीघ्र ई-ऑफिस पर शिफ्ट किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, विभागों में 100 प्रतिशत बायोमैट्रिक उपस्थिति लागू किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगौली, नितेश कुमार झा, श्रीमती राधिका झा, सचिन कुर्वे, दिलीप जावलकर, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, चंद्रेश कुमार यादव, डॉ. नीरज खैरवाल, विनय शंकर पाण्डेय, दीपेन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. सुरेन्द्र नारायण पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन, रणवीर सिंह चौहान एवं धीराज सिंह गर्ब्याल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा, तीन गिरफ्तार

❑2 चार पहिया तथा 7 दोपहिया वाहन बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अंतर्राज्जीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से दो चार पहिया व 7 दो पहिया वाहन बरामद किये गये है। हालांकि मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है। वहीं पुलिस ने इस गिरोह में शामिल एक नाबालिग को संरक्षण में लिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कोतवाली गंगनहर पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए चुराई गई दो कारें क्रमशः क्रेटा व सिलेरियो बरामद करने के साथ ही दोपहिया वाहन चोरी गिरोह के नाबालिक सहित 3 सदस्यों को दबोचकर चुराई गई 07 मोटर साइकिलें बरामद की है। बताया कि बीते रोज कोतवाली गंगनहर पुलिस ने एक सूचना के बाद क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया हुआ था।

इस दौरान पुलिस को मंगलौर-सालियर हाईवे पर एक संदिग्ध क्रेटा कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोककर चैक किया गया तो पता चला कि उक्त वाहन के संबंध में पूर्व में कोतवाली गंगनहर में चोरी होने का मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने वाहन चालक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी। जिसने पूछताछ में अपना नाम अजय पुत्र बीरपाल निवासी ग्राम पूरना थाना इगलास अलीगढ उ.प्र. हाल निवासी पनियाला रोड सुभाषनगर रूडकी बताया।

नाबालिक सहित 4 दबोचे, एक फरार तलाश जारी

वहीं दूसरी ओर गंगनहर पुलिस ने रूडकी-सालियर अण्डर पास रूडकी से 2 संदिग्ध व्यक्तियों और 1 नाबालिक को दबोचकर उनकी निशांदेही पर कुल 7 वाहन दोपहिया बरामद किये। पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह मोटर साइकिलो को चुराकर उन्हे स्वामी विवेकानन्द कालेज को जाने वाले रास्ते के सामने वाले बाग में छुपाकर रखते थे और फिर उन्हे मॉडिफाई कर के आगे बेच देते थे। जिन्होने अपना नाम फारूख फरीदी पुत्र इस्लाम अहमद निवासी थिथकी कवादपुर मंगलौर व मोहसिन उर्फ काला पुत्र नसीम निवासी माधोपुर कोतवाली गंगनहर बताया। जबकि एक विधि विवादित किशोर है जिसे पुलिस ने अपने संरक्षण में लिया हुआ है।

वहीं एक और मामले में पुलिस टीम ने एक सूचना के बाद पनियाला तिराहे से लाठरदेवा जाने वाले रास्ते रूडकी से वाहन मारूति सिलेरियो को रोका। पुलिस की सघन चैकिंग देख कर वाहन चालक वाहन को छोडकर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

कोकून का समर्थन मूल्य बढा

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट की बैठक में एकमात्र रेशम विभाग द्वारा पेश प्रस्ताव पर कैबिनेट ने अपनी मंजूरी की मोहर लगा दी है। कोकून के (एम एस पी) न्यूनतम समर्थन में वृद्धि के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने अपनी सहमति जताते हुए ग्रेड ए के कोकून के एमएसपी पर अब 400 रूपये से बढ़ाकर 440 रुपए कर दिया गया है। हर साल की तरह रेशम विभाग द्वारा को कोकून का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था, जिसे बिना किसी संशोधन के कैबिनेट ने मंजूर कर लिया है। नई दरों के हिसाब से अब ग्रेड ए के कोकून की कीमत 400 रूपये से बढ़ाकर 440 रुपए तथा बी ग्रेड के कोकून की कीमत 370 रूपये से बढ़ाकर 395 व सी ग्रेड की कीमत 280 से बढ़कर 290 रूपये तथा डी ग्रेट के कोकून की कीमत 230 से बढ़कर 240 रुपए करने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी गई है। कैबिनेट में आज सिर्फ एक ही प्रस्ताव लाया गया जिसे पास कर दिया गया है।

●कैबिनेट ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

मकान का ताला तोड जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गढीमयचक श्यामपुर निवासी दरम्यान सिंह रावत ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां रखी अलमारी का ताला तोडकर वहां से जेवरात, नगदी व कीमती सामान चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश ने 57 करोड रुपये का भुगतान कर दिया हैः सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा विद्युत बिलों के रूप में 57.87 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्य के मध्य अवशेष आस्तियों एवं दायित्वों के मामलों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन मामलों में दोनों राज्यों के बीच पिछली बैठक में सहमति बनी थी, उनमें से जिन मामलों में कार्यवाही गतिमान है, उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनका

जल्द समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दोनों राज्यों के अवशेष आस्तियों एवं दायित्वों के मामले में जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक करेंगे। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की पिछली बैठक के बाद जिला उधमसिंहनगर एवं हरिद्वार में स्थित जलाशयों /नहरों में वाटर स्पोर्टस की अनुमति दी जा चुकी है। सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा विद्युत बिलों के रूप में 57.87 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश मत्स्य निगम द्वारा उत्तराखण्ड मत्स्य पालन विकास अभिकरण को 3.98 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। वन विकास निगम उत्तराखण्ड को दी जाने वाली देयताओं का आंशिक भुगतान किया गया है। परिवहन निगम की अवशेष राशि का भुगतान किया गया जा चुका है। आवास विभाग के अन्तर्गत आवास विकास परिषद की परिसम्पत्तियों के निस्तारण का निर्णय हुआ है। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव डॉ. नीरज खेरवाल एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।